सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY •YEAR-1 • 12 JUNE TO 18 JUNE 2020 • VOLUME-40 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • www.jalandharbreeze.com • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

STUDY, WORK & SETTLE IN ABROAD

No Filing Charges &
*Pay money after the visa

IELTS | STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10, Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. • HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza, GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.

*T&C apply

न्यूज

सिंधिया और उनकी मां की रिपोर्ट निगेटिव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बीजेपी नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनकी मां की कोरोना को लेकर दूसरी रिपोर्ट निगेटिव आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सिंधिया की सेहत में सुधार हो रहा है और उन्हें 15 जून तक अस्पताल से छुट्टी दी जा सकती है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने उनके स्वास्थ्य सुधार पर बधाई दी। संक्रमण के चलते 9 जून को ज्योतिरादित्य और उनकी मां माधवी राजे सिंधिया दिल्ली में साकेत के मैक्स अस्पताल में भर्ती हुए थे। पिछले दिनों ज्योतिरादित्य की तबीयत अचानक खराब हुई थी। उनमें कोरोना के लक्षण थे। हालांकि कहा गया कि उनकी मां में लक्षण नहीं थे। प्राथमिक जांच में दोनों कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे।

मुंबई के क्रॉफोर्ड मार्केट में लगी आग

मुम्बई, (एजेंसी)। मुंबई के क्रॉफोर्ड मार्केट में गुरुवार को अचानक आग लग गई। मेट्रोपोलिटन सिटी का यह ब्रिटिशकालीन बाजार है। हालांकि, इस घटना में किसी हताहत होने की खबर नहीं है। यह घटना शाम करीब छह बजे हुई है। दमकल की छह गाड़ियां और तीन जंबो टैंकर्स मौके पर मौजूद हैं। इस बाजार में कई दुकानें हैं, लेकिन आग अभी तक सिर्फ चार वाणिज्यिक स्थानों तक सीमित है। मुंबई फायर ब्रिगेड के चीफ प्रभात रहांगदले ने कहा कि आग बुझाने का काम जारी है और इसके साथ सर्च ऑपरेशन भी चल रहा है। यह बाजार छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस रेलवे स्टेशन से कुछ ही दूरी पर स्थित है। आग बुझाने अग्निशमन दल जुटा हुआ है।

'श्री गणेश' के अभिनेता जगेश का निधन

मुंबई, (एजेंसी)। पौराणिक धारावाहिक 'श्री गणेश' में भगवान गणेश का किरदार निभाने के लिए पहचाने जाने वाले टीवी अभिनेता जगेश मुकाती का निधन हो गया है। वह 47 वर्ष के थे। उनके करीबी दोस्त अभिनेता संजय गोराडिया ने बताया कि मुकाती को सांस लेने में दिक्कत होने की शिकायत के बाद पांच जून को क्रिटिकेयर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका बुधवार दोपहर को वहां निधन हो गया। गोराडिया ने बताया कि मुकाती की कोराना वायरस के लिए जांच की गई थी और वह संक्रमित नहीं पाए गए थे। उन्होंने एजेंसी को बताया कि वह मोटापे का शिकार थे जिससे उन्हें स्वास्थ्य से संबंधित कई दिक्कतें हो गई। उन्हें अस्थमा का दौरा भी आया था।

आईसीएमआर सर्वे : देश के 83 जिलों में 0.73 फीसदी आबादी ही कोरोना से संक्रमित

कोविड-19 मरीजों की मृत्यु दर भारत में सबसे कम

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश के 83 जिलों में 0.73 फीसदी आबादी ही कोरोना वायरस से संक्रमित हुई है। सबसे अच्छी बात यह है कि यहां कोविड-19 मरीजों की मृत्यु दर भी दुनिया में सबसे कम है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. बलराम भार्गव ने सिरो सर्वे के नतीजों की जानकारी दी और कहा कि भारत में प्रति लाख आबादी के हिसाब से कोविड-19 मरीजों की संख्या और मृत्यु की दर दुनिया में सबसे कम है। ध्यान रहे कि यह लॉकडाउन के पांच-साढ़े पांच हफ्ते के बाद 30 अप्रैल तक की स्थिति है।

डॉ. भार्गव ने सिरो सर्वे के बारे में कहा कि इससे कई महत्वपूर्ण बातों का पता चलता है। सिरो सर्वे में आम आदमी के एंटीबॉडी की जांच की जाती है। जांच के लिए लोगों का ब्लड सैंपल लेकर आईजीजी ऐंटीबॉडीज की जांच होती है। अगर कोई व्यक्ति आईजीजी पॉजिटिव है तो इसका मतलब है कि वो सार्स-कोव-2 से संक्रमित हुआ था। सर्वे से पता चलता है कि कुल कितना प्रतिशत आबादी वायरस से संक्रमित हो चुकी है? किस-किस व्यक्ति में संक्रमण का ज्यादा खतरा है? कौन-कौन से इलाकों में बचाव के प्रयासों को बढ़ाने की दरकार है?

कोरोना से रिकवरी रेट बढ़कर 49.2 फीसदी हुआ

एक अच्छी खबर ये है कि कोरोना से रिकवरी रेट बढ़कर 49.2 फीसदी हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश में संक्रमितों की संख्या 2 लाख 86 हजार 579 है। लेकिन, इनमें से अब तक 1 लाख 41 हजार 029 लोग ठीक हुए है। यानी, ठीक हुए लोगों की संख्या एक्टिव केस से ज्यादा है।

भारत	कुल मामले	स्वस्थ हुए	संक्रमित	कुल मौत
	2,98,268	1,46,972	1,42,795	8,501
मध्यप्रदेश	10,241	7,047	2,768	431

* आंकड़े कोविड19इंडिया.ओआरजी के है

83 जिलों के 26,400 लोगों पर सर्वे

डॉ. बलराम भार्गव ने कहा कि सर्वे के लिए देश के 83 जिलों के 28,595 घरों का दौरा किया और 26,400 लोगों के खून के नमूने लिए। सर्वे में पाया गया कि इन जिलों में 0.73 लोगों में ही संक्रमण के सबूत मिले। उन्होंने कहा, इसका मतलब है कि लॉकडाउन का सकारात्मक असर हुआ और वायरस के संक्रमण के तेज फैलाव पर रोक लगी। उन्होंने कहा कि इसके दो पहलू हैं- एक तो यह कि अब भी बड़ी आबादी पर वायरस के संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है, लेकिन दूसरा पहलू हौसला बढ़ाता है कि सर्वे में जिन 26,400 लोगों को शामिल किया गया, उनमें महज 0.08 फीसदी की ही मौत हुई।

भारत में अभी कोरोना का कम्युनिटी ट्रांसमिशन नहीं

भारत में कोरोना का सामुदायिक प्रसार हो रहा है या नहीं हो रहा है? यह पिछले कुछ दिनों से बड़ा सवाल बना हुआ था। अब इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमार) ने आंकड़ों के साथ यह साफ कर दिया है कि देश अभी कोरोना वायरस के तीसरे चरण या कम्युनिटी स्प्रेड की स्थिति में नहीं है। हालांकि, आईसीएमआर ने यह भी कहा है कि आबादी के बड़े हिस्से को अब भी कोविड-19 संक्रमण का खतरा है। आईसीएमार ने कोरोना वायरस की सही स्थिति का आंकलन करने के लिए 83 जिलों में सीरो-सर्वेक्षण किया है। इनमें 0.73 प्रतिशत आबादी के कोरोना वायरस के पहले संपर्क में आने के सबूत मिले हैं। आईसीएमआर ने कहा कि सीरो-सर्वेक्षण दर्शाता है कि कोरोना वायरस को नियंत्रित करने में लॉकडाउन और संक्रमण को काबू करने के लिए उठाए गए कदम सफल रहे।

महाराष्ट्र में 24 घंटे में 3607 नए केस, 152 संक्रमितों की मौत

मुंबई। गुरुवार रात जारी रिपोर्ट के अनुसार पिछले 24 घंटे में महाराष्ट्र में 3607 नए संक्रमित मिले हैं, इससे राज्य में कुल मरीजों की संख्या 97648 हो गई है। गुरुवार को 152 लोगों ने जान गंवाई। यह किसी भी राज्य में एक दिन में कोरोना से मरने वालों की सबसे बड़ी संख्या है। राज्य में अब तक मरने वालों की संख्या 3590 हो गई है। मुंबई में 24 घंटे में 1418 नए मरीज मिले, जबकि 97 कोरोना मरीजों की जान गई। मुंबई में अब तक कुल केस 54085 और कुल मौत 1954 हो गई हैं।

दिल्ली में एक ही दिन में सबसे ज्यादा 1877 मामले और 65 मौत

दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में आई तेजी ने आज सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। एक दिन में सबसे ज्यादा 1877 नए मामलों की पुष्टि हुई है। राष्ट्रीय राजधानी में बीते 24 घंटे में कोरोना से 65 लोगों की मौत हुई है। यह अबतक की सर्वाधिक संख्या है। गुरुवार रात को जारी हुई हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक, दिल्ली में कोरोना के अब कुल 34687 मामले हो गए हैं। वहीं इस महामारी की चपेट में आकर जान गंवाने वालों की संख्या 1085 हो गई है। बुलेटिन के मुताबिक, 12731 मरीज इलाज के बाद पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं जबकि अभी भी 20871 सक्रिय मामले हैं।

दिल्ली में कोरोना से भाजपा नेता की मौत, जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने में लगे थे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में कोरोना से होने वाली मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। भाजपा के दिल्ली इकाई से जुड़े संजय शर्मा का कोविड-19 से निधन हो गया। वह दिल्ली में पार्टी की एक कमेटी के अध्यक्ष थे। लॉकडाउन के बाद से वह दिल्ली में जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने का काम कर रहे थे कि इस बीच वह कोरोना वायरस की चपेट में आ गए। इलाज के दौरान गुरुवार को उनकी मौत हो गई। दिल्ली भाजपा के प्रदेश महामंत्री राजेश भाटिया ने संजय शर्मा के निधन पर शोक जताया।

खाड़ी देश से लौटे 70 वर्षीय व्यक्ति की कोरोना से मौत- तिरुवनंतपुरम, (एजेंसी)। ओमान के मस्कट से राज्य में लौटे 70 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत कन्नूर जिले के एक अस्पताल में कोरोना संक्रमण की वजह से हो गई। इसके साथ ही राज्य में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या 18 हो गई है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि कन्नूर जिले के व्यक्ति की मौत बुधवार रात में अस्पताल में भर्ती होने के कुछ देर बाद हो गई।

कांग्रेस विधायकों को दे रहे 25-25 करोड़ का लालच

गहलोत ने भाजपा पर लगाया खरीद-फरोख्त का आरोप

जयपुर, (एजेंसी)। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने भाजपा पर राज्यसभा चुनाव में विधायकों की खरीद फरोख्त का आरोप लगाते हुए कहा है कि इसके लिए विधायकों को 25-25 करोड़ रुपए का लालच दिया जा रहा है।

श्री गहलोत ने गुरुवार को यहां मीडिया से बातचीत में दावा किया कि खरीद फरोख्त के लिए बड़ी मात्रा में राशि यहां आ चुकी है। भाजपा द्वारा इसके तहत प्रत्येक विधायक को 10-10 करोड़ रुपए अग्रिम दिया जा रहा है तथा शेष 15 करोड़ रुपए बाद में देने का वायदा किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हमारे विधायक पहले से सचेत हो गए हैं और विधायकों ने ही उन्हें जानकारी दी कि हमारे से खरीद फरोख्त के लिए संपर्क किया जा रहा है। श्री गहलोत ने बताया कि इसके बाद बुधवार से कांग्रेस पार्टी के तथा अन्य निर्दलीय विधायक आमेर पास एक रिसोर्ट में चले गए हैं तथा राज्य सभा चुनाव तक वही रहेंगे।

मोदी ने गुजरात और मप्र में उड़ाई लोकतंत्र की धज्जियां

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यसभा चुनाव जो दो महीने पहले ही होने वाले थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खरीद फरोख्त पूरी नहीं होने के कारण स्थगित करवाए। पहले गुजरात एवं मप्र में श्री मोदी ने लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाते हुए खरीद-फरोख्त का खेल खेला और अब राजस्थान में भी इसकी तैयारी की जा रही है। श्री गहलोत ने कहा कि राजस्थान में बसपा के 13 विधायक बिना सौदेबाजी के हमारे साथ आए।

चीन की चालबाजी से चौकन्ना हुआ भारत

लद्दाख से अरुणाचल तक बॉर्डर पर बढ़ाई सेना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मौजूदा हालत में चीनी सेना पर भरोसा करना मुश्किल चीन के हर कदम का जवाब देने के लिए फौज तैयार है। भारत और चीन के बीच सैन्य स्तर पर वार्ता के बावजूद तनाव अभी बरकरार है। चीन ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के आसपास अपनी फौज बनाए रखी है। इसे देखते हुए भारत ने भी अपनी सेना तैनात कर रखी है। चीनी फौज लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक डटी हुई हैं, लिहाजा भारत ने भी इसके जवाब में बड़ी संख्या में अपनी सेना तैनात की है। सीमा विवाद को देखते हुए भारत ने इस इलाके में रिजर्व फौज भी भेजी है। सरकार के एक अतिविश्वस्त सूत्र ने बताया कि लद्दाख में चीन ने जो हरकत की है, उसे देखते हुए भरोसा नहीं किया जा सकता। उनकी मंशा क्या है, इसका भी कोई पता नहीं। इन सभी स्थितियों को देखते हुए लद्दाख क्षेत्र में अतिरिक्त फौज लगाई गई है। केवल लद्दाख ही नहीं, बल्कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में भी फौज की पूरी तैयारी है।

हिमाचल में तीन डिविजन तैनात: सूत्रों ने बताया कि नजदीकी कोर से इन इलाकों में इंफेंट्री के तीन डिविजन और दो अतिरिक्त ब्रिगेड को तनाव वाले इलाकों में भेजा गया है। हिमाचल प्रदेश में भी अतिरिक्त फौज लगाई गई है।

भारत-चीना सीमा गतिरोध पर वार्ता जारी (पेज-8 पर)

देश के पांच शहरों में सीबीआई के छापे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सीबीआई ने पंजाब नेशनल बैंक के साथ धोखाधड़ी के मामले में देश के चार राज्यों के पांच ठिकानों पर छापे मारे। सीबीआई प्रवक्ता ने गुरुवार को यहां बताया कि पीएनबी को 31 करोड़ 92 लाख रुपये की चपत लगाने के आरोप में बैंक के चार पूर्व अधिकारियों सहित नौ आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपियों में बैंक के भुवनेश्वर स्थित स्टेशन स्क्वायर ब्रांच के तत्कालीन मुख्य प्रबंधक नागमणि सत्यनारायण प्रसाद, तत्कालीन सहायक महाप्रबंधक एस. सी. शर्मा, तत्कालीन मुख्य प्रबंधक मनोरंजन दास और तत्कालीन वरिष्ठ प्रबंधक प्रियोतोष दास, भुवनेश्वर की कंपनी मेसर्स ग्लोबल ट्रेडिंग सॉल्यूशन्स लिमिटेड, इसके प्रबंध निदेशक अविनाश मोहंती, पूर्व निदेशक कौशिक मोहंती, पूर्व निदेशक सामंता रे और निदेशक विदुभूषण नायक शामिल हैं। सीबीआई ने इन सभी के खिलाफ आईपीसी की कईधाराओं में केस दायर किया है।

पीएनबी धोखाधड़ी मामला

नामंजूर

1600 कश्मीरी छात्रों को स्कॉलरशिप देने की योजना खारिज

पाक को भारत की सुरक्षा एजेंसियों ने दिया झटका

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने इमरान खान सरकार की 1600 कश्मीरी छात्रों को पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में छात्रवृत्ति देने की योजना को नामंजूर कर दिया है। इस विषय से जुड़े लोगों ने गुरुवार को समाचार पत्र को यह जानकारी दी है। सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि स्कॉलरशिप देना युवा कश्मीरियों को कट्टरपंथी बनाने की पाकिस्तान की एक रणनीति थी। उन्हें बाद में भारत के खिलाफ भड़काया जाता। पहले उनकी सहानुभूति लेते फिर बाद में उनका इस्तेमाल करते। जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ऐसे कुछ उदाहरण भी सामने आए हैं, जहां युवा कश्मीरियों ने वाघा-अटारी सीमा चौकी से होकर सीमा पार की और नियंत्रण रेखा से होकर आतंकवादियों के रूप में लौटे। आपको बता दें कि पाकिस्तान ने पहली बार इस साल की शुरुआत में अपनी नेशनल असेंबली के एक पैनल में स्कीम की घोषणा की थी। पाकिस्तान वर्षों से कश्मीरी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान कर रहा है, लेकिन ये ज्यादातर बहुत ही छोटे पैमाने पर थे। कश्मीर पुलिस का अनुमान है कि लगभग 150 कश्मीरी छात्र पाकिस्तान और पीओके स्थित मेडिकल और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में नामांकित हैं।

34 फीसदी भारतीय घरों में खाने को नहीं, हम करेंगे मदद : इमरान

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। 'घर में नहीं दाने और अम्मा चली भुनाने', यह कहावत पाकिस्तान पर पूरी तरह चरितार्थ होती है। कंगाली के कगार पर पहुंचा पाकिस्तान अब भारत की आर्थिक मदद करने की बात कह रहा है। पाक प्रधानमंत्री इमरान खान ने गुरुवार को एक ट्वीट में अपने बड़बोलेपन का परिचय दिया। पाक समाचार वेबसाइट की एक खबर को टैग करते हुए उन्होंने दावा किया कि भारत आर्थिक तंगी से जूझ रहा है और वह भारत की मदद करने के लिए तैयार हैं।

सीजफायर उल्लंघन का भारत का मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तान की तरफ से संघर्षविराम (सीजफायर) उल्लंघन का भारतीय सेना ने गुरुवार को मुंहतोड़ जवाब दिया है। इस जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना की 11 चौकियों को काफी नुकसान हुआ है। जम्मू कश्मीर में एलओसी पर सीजफायर उल्लंघन के जवाब में भारतीय सेना ने सटीक और असरदार फायरिंग की है जिससे राजौरी सेक्टर में पाक सेना की चौकियों को भारी नुकसान हुआ है।

पाक सेना की 11 चौकियों को भारी नुकसान

राजौरी के मंजाकोट सेक्टर में गुरुवार तड़के पाकिस्तान के संघर्षविराम उल्लंघन में एक सैनिक शहीद हो गया, जबकि एक नागरिक घायल हो गया है।

प्रसंग

लोकपथ के एकात्मवादी पथिक तोमर

केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर का आज जन्मदिन है। वे मुंह में 'चांदी की चम्मच' लिए पैदा नहीं हुए और न ही नेतृत्व उन्हें विरासत में मिला। उनकी संवेदनशीलता और सहजता ने कमाल किया। वे स्वीकार्य हुए और होते ही गए, राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित संगठन से जुड़कर उन्होंने जनसेवा से खुद को तपाया। आज उसी तपस्या के बल पर वे न सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विश्वास पात्र हैं, बल्कि एक बेहतर गुण वाले जनप्रतिनिधि के रूप में जन-जन के खास हैं।

21वीं सदी के भारत में चुनिंदा लोक नायकों की सूची में वैशिष्ठय के लिए जो भी नाम दर्ज होगा, वह निस्संदेह यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विश्वासपात्र नरेंद्र सिंह तोमर का होगा। वैशिष्ठय यह कि श्री तोमर अपने सार्वजनिक जीवन की यात्रा मध्यप्रदेश ग्वालियर जिले के एक छोटे से मोहल्ले आर्यनगर से शुरू करके शीर्ष तक आए हैं। सार्वजनिक जीवन में गहन संवेदनशीलता ही सर्वग्राही स्वीकार्यता की धुरी है और इस धुरी से लेशमात्र भी नरेंद्र सिंह तोमर को परे नहीं पाया गया। 12 जून श्री तोमर की शष्ठीपूर्ति का दिन है। धर्मप्राण स्व. श्री मुंशी सिंह जी और ममतामयी मां शारदा देवी की ज्येष्ठ संतान हैं मुन्ना, यानी नरेंद्र के छोटे भाई हैं। मुन्नू यानी अजय और एकमात्र दुलारी छोटी बहना है गुड्डी यानी मंजू सिंह सिकरवार दतिया जिले के भांडेर में ठकरास मोहल्ले के लोग जिन्हें 'कुंवर जू' कहकर सुख पाते हैं; वह नरेंद्र ही हैं। यहीं उन्होंने नौ मई 1979 में सेंगर श्री भीकम सिंह और जयदेवी की सुसंस्कारी बेटी किरण का पाणिग्रहण किया था और अब किरण-नरेन्द्र, कर्मनिष्ठ-उत्साही रामू यानी देवेंद्र प्रताप, रघु यानी प्रबल प्रताप और निवेदिता के यशस्वी माता-पिता हैं। रामू सबसे बड़े, रघु छोटे और निवेदिता मझली बेटी है। हंसता-खेलता, विवादों से दूर सुशिक्षित परिवार है ।

नरेन्द्र मुंह में 'चांदी की चम्मच' लिए पैदा नहीं हुए और न ही नेतृत्व उन्हें विरासत में मिला। उनकी संवेदनशीलता और सहजता ने कमाल किया। वे स्वीकार्य हुए और होते ही गए, राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित संगठन से जुड़कर उन्होंने जनसेवा से खुद को तपाया, परिणामस्वरूप 1974 से 1977 तक भारतीय युवा संघ मुरार के वार्ड अध्यक्ष चुन लिए गए। वर्ष 1977-78 में भारतीय जनता युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष बने और 1980 में उन्हें मोर्चा ने जिला मंत्री का दायित्व सौंपा। इसी साल श्री तोमर शासकीय श्यामलाल पांडवीय महाविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष भी चुन लिए गए। स्वीकार्यता ऐसी कि जब वर्ष 1983 में ग्वालियर नगर निगम के चुनाव हुए तो वार्ड के लोगों ने उन्हें सिर-आंखों पर बैठाया और पार्षद चुनकर नगर निगम में जनसेवा के लिए भेज दिया । उधर -मोर्चा ने प्रतिभा आंकी और वर्ष 1985 में प्रांतीय मंत्री तथा 1986 से 1990 तक के लिए भाजयुमो का प्रांतीय उपाध्यक्ष बना दिया। सांगठनिक क्षमता, मिलन सारिता और सर्वग्राह्यता के बल पर ही नरेंद्र 1991 से 1996 तक भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में स्वीकार हुए और अपने संगठन को भाजपा के हरावल दस्ते के रूप में खड़ा किया, भाजपा ने भी नरेंद्र को हाथोंहाथ लिया और वर्ष 1996 में प्रदेश मंत्री बनाकर ग्वालियर चंबल संभाग में भाजपा संगठन का प्रभार सौंप दिया।

एक खास बात का जिक्र करना जरूरी है, जिस परिवार का मुखिया शासकीय सेवक हो और घर का सबसे बड़ा बेटा अधिनायकवादी-मानसिकता के दौर में 'विपक्ष की राजनीति' करता हो; उस परिवार पर क्या गुजरती होगी कल्पना कीजिए। श्री तोमर के परिवार पर राजनीतिक द्वेष की बिजलियां गिरती रहीं फिर भी यह परिवार शूरमा की तरह अडिग रहा। यही अडिगता 1998 के विधानसभा चुनाव में काम आई और वे पहली बार ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-15 से विधायक चुन लिए गए। वर्ष 2003 के विधानसभा चुनाव में भी इसी क्षेत्र से श्री तोमर फिर चुने गए और तत्कालीन मुख्यमंत्री उमा भारती ने इनको चंबल का शेर जैसी उपाधि से नवाजते हुए मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री के रूप में शामिल किया तथा आठ दिसम्बर 2003 को वे सूबे की सरकार के मंत्री हो गए। 27 अगस्त 2004 को जब बाबूलाल गौर ने सूबे की कमान संभाली तो उसमें भी उन्हें कैबिनेट मंत्री के ओहदे पर बरकरार रखा। प्रदेश में चार दिसंबर 2005 से नए युग का प्रादुर्भाव हुआ। शिवराज सिंह चौहान जब मुख्यमंत्री बने तब उन्होंने अपने अत्यंत विश्वसनीय और कर्मठ साथी के रूप में नरेंद्र सिंह का सम्मान करते हुए कैबिनेट मंत्री के रूप में अभिशिक्त किया। कर्मठ शब्द का प्रयोग इसलिए किया गया, क्योंकि यही वह कर्मठता थी जिसकी बदौलत तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने मध्य प्रदेश के उत्कृष्ट मंत्री के रूप में सम्मानित किया।

20 नवंबर को भारतीय जनता पार्टी ने श्री तोमर को प्रदेश अध्यक्ष के रूप में सर्वानुमति से चुन लिया। खास बात यह कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल करने से पहले ही मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। इस तरह उन्होंने अपनी पार्टी में 'एक व्यक्ति-एक पद' का उदाहारण प्रस्तुत किया। इतना ही नहीं उन्होंने भाजपा को पुनः सत्ता में लाने के लिए खुद 2008 में विधानसभा चुनाव न लड़ने का एलान किया। पूरे प्रदेश में पार्टी कार्यकर्ताओं को इस तरह तैयार किया कि बाजी भाजपा के हाथ रही और बहुमत पाकर भाजपा फिर सिंहासनारूढ़ हुई। 15 जनवरी 2009 को मध्य प्रदेश विधानसभा से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित कर लिया गया। इसी साल यानी अप्रैल 2009 में लोकसभा चुनाव के दौरान मुरैना-श्योपुर संसदीय क्षेत्र से श्री तोमर लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुए। 2009-2014, 5 वर्षीय कार्यकाल में 2328 करोड़ के विकास कार्य करवाकर इतिहास रच दिया। दुनिया की ताशीर है कि जो शख्स निहित स्वार्थ और सुख को तिलांजलि देता है और अहर्निष सेवा को तत्पर रहता है; उसे दुनिया दौड़कर गले लगाती है। नरेंद्र के साथ भी ऐसा ही हुआ। मध्य प्रदेश में भाजपा को पुनः सत्तारूढ़ कराने और अद्भुत सांगठनिक क्षमता को देखते हुए पार्टी ने उन्हें 16 मार्च 2010 को राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त कर उत्तर प्रदेश जैसे विशाल प्रदेश का प्रभार सौंप दिया। चूंकि अक्टूबर 2013 में मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव होना निश्चित थे, इसलिए तीसरी बार फिर भाजपा की ताजपोशी के लिए प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंप दी गई राम-लक्ष्मण की जोड़ी की तरह मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और नरेंद्र सिंह ने विपक्ष के सारे मंसूबों पर पानी फेरते हुए तीसरी बार फिर पार्टी को फतह दिलाई।

2014 में जब लोकसभा चुनाव हुए तब ग्वालियर संसदीय क्षेत्र से सांसद चुन लिए गए और जब केंद्र में प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा की आमद हुई तब यशस्वी मोदी मंत्रिमंडल में नरेंद्र और नरेंद्र की अद्भुत 'युति' हुई। उन्होंने 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक राशि के विकास कार्य करवाकर ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नरेंद्र सिंह तोमर पर अगाध विश्वास जताते हुए उन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया। तब उनके सुपुर्द इस्पात, खान और श्रम विभाग किया गया। इस्पात मंत्रालय के मुखिया के तौर पर उनके अहर्निश प्रयासों की बदौलत 2015 में भारत ने स्टील उत्पादन में अमेरिका को पछाड़ कर विश्व में डंका बजाया। प्रधानमंत्री ने 6 जुलाई 2016 को जब दूसरी बार मंत्रिमंडल का विस्तार किया तो तोमर को पेयजल, स्वच्छता, भू-संसाधन, ग्रामीण विकास और पंचायती राज सुपुर्द किया। प्रधानमंत्री के विश्वास के अनुरूप पंचायती राज, ग्रामीण विकास एवं मंत्री तोमर ने खेती को मुनाफे का धंधा बनाने तथा किसानों की आय को दुगना कर उनका जीवन स्तर बढ़ाने को अपने संकल्प में जोड़कर देश को सम्पन्न भारत देने का अनुष्ठान शुरू किया है। मुन्ना भैया यानी नरेंद्र सिंह तोमर ने संसदीय क्षेत्र मुरैना, ग्वालियर और चंबल संभाग के लिए इतना कुछ कर दिया है, जिसे कोई भी आसानी से खारिज नहीं कर सकेगा।

विचार

कोरोना के प्रति लापरवाही न करें

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद का दावा है कि देश में अब तक 0.73 फीसदी आबादी ही कोरोना से संक्रमित हुई है। यह दावा सुनने में भले ही सुखद लगे मगर खतरा अब भी बना है। कोरोना से लड़ाई सरकार और जनता दोनों की है, एक के बूते जंग असंभव है।

अनलॉक-1 के बीच देश में बढ़ रहे कोरोना के मरीजों की संख्या के बाद भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने बड़ी सुखद खबर दी है। संस्थान का दावा है कि देश में अब तक 0.73 फीसदी आबादी ही कोरोना वायरस से संक्रमित हुई है। सबसे अच्छी बात यह है कि यहां कोविड-19 मरीजों की मृत्यु दर भी दुनिया में सबसे कम है। महानिदेशक बलराम भार्गव ने सिरो सर्वे के नतीजों की जानकारी दी और कहा कि भारत में प्रति लाख आबादी के हिसाब से कोविड-19 मरीजों की संख्या और मृत्यु की दर दुनिया में सबसे कम है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की तरफ से आई खुशखबर घबराहट थोड़ी कम करने के लिए जरूर है, लेकिन इसका यह मतलब कतई नहीं है कि हम बेफिक्र होकर बैठ जाएं। संस्थान ने यह भी कहा कि हमारी बड़ी आबादी अब भी खतरे में है, इसलिए संक्रमण तेजी से फैल सकता है। ऐसे में हमें इलाज और दवाइयों के इतर बचाव की सारी सावधानियां बरतने पर जोर देना होगा।

शहरों के स्लम एरिया में संक्रमण का खतरा सबसे ज्यादा है। सरकारों को स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन लागू करना होगा। उन्होंने कहा कि कंटेनमेंट जोन में संक्रमण का स्तर बहुत ज्यादा पाया गया है। सरकार कोरोना से लड़ने के हर कदम उठा रही है, लेकिन ये प्रयास तभी फलीभूत होंगे, जब नागरिक स्वयं तकलीफ सहने की हद तक सतर्कता बरतेंगे। मानव व्यवहार के कई अध्ययनों के अनुसार ग्रामीण भारत में हर चौथा व्यक्ति बच्चों को खिलाने से पहले हाथ नहीं धोता। गरीबी की वजह से साबुन का इस्तेमाल न करना और बीमारी के लक्षण छिपाना, ताकि रोजी-रोटी के लिए बाहर निकलने पर रोक न लगे। स्वच्छता-शून्य गंदी बस्तियों का जीवन इस चरण में देश को बेहद खतरनाक मोड़ पर ला चुका है। इस चरण में बीमारी का प्रसार बेहद तेजी से होता है। भारत के तमाम राज्यों में हाथ धोने के लिए साबुन और पानी की भारी कमी है। दूसरे चरण में कोरोना के प्रसार की रफ्तार का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हर तीसरे दिन मरीजों की संख्या दूनी हो जाती है। जिन देशों में संक्रमण चरम पर है, वहां इसी दौर में जबरदस्त प्रसार देखा गया है।

फिर भारत में कोरोना के मामले अब जिस तेजी से बढ़ रहे हैं, वे हालात की गंभीरता को बताने के लिए काफी हैं। देश का शायद ही कोई राज्य ऐसा बचा होगा जहां से कोरोना संक्रमित व्यक्ति के मिलने की खबर न आ रही हो। सबसे ज्यादा खराब हालात तो महाराष्ट्र में है जहां संक्रमित लोगों की तादाद तेजी से बढ़ रही है। पूरे देश में सरकार लोगों जागरूक कर रही है, मीडिया के माध्यम से जानकारियां दे रही है, हाथ धोने से लेकर मास्क पहनने जैसी अपील कर रही है, इसके बावजूद लोग लापरवाही बरत रहे हैं और इसका सीधा असर यह हो रहा है कि महामारी को फैलने से रोकने के जरूरी कदम बेकार साबित हो रहे हैं। कोरोना से लड़ाई सरकार और जनता दोनों की है, जब एक भी गंभीर नहीं होगा, महामारी का खतरा बढ़ता जाएगा।

बाल विवाह आज भी चिंतनीय

आखातीज या अक्षय तृतीया को अबूझ सावे के रूप में जाना-पहचाना जाता है। इस दिन बड़ी संख्या में विवाह होते हैं जिनमें बाल विवाह भी शामिल है। बाल विवाह का मतलब छोटी आयु में शादी। यानी 21 वर्ष से कम आयु के लड़के और 18 वर्ष से कम आयु की लड़की का विवाह होना, बाल विवाह माना जाएगा। भारत में बाल विवाह की प्रथा काफी पुरानी थी। लाख कोशिशों के बाद भी अपने देश से यह कुप्रथा पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाई। सभ्य समाज के मुंह पर यह एक तमाचा है। यह मानव जीवन की सबसे बड़ी और दुखद त्रासदी है। यह सामाजिक बुराई हिंदी और अहिंदी भाषी दोनों तरह के राज्यों में समान रूप से प्रचलित है। विशेषकर राजस्थान, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और पश्चिम बंगाल में बाल विवाह का चलन आज भी है। मगर अब बदलाव दिख रहा है। इसका श्रेय सरकार को दिया जाए या समाज को अभी इस पर निष्कर्ष निकालना जल्दी होगा। मगर संतुष्टि यह है कि अब बाल विवाह को लेकर सोच में परिवर्तन आ रहा है। समाज में शिक्षा के प्रसार और आर्थिक स्थिति में सुधार का असर बाल विवाह की संख्या में कमी के तौर पर नजर आ रहा है। कुछ राज्य जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और झारखंड में इसमें उल्लेखनीय सुधार नजर आ रहा है।

अब बाल विवाह को लेकर सोच में परिवर्तन आ रहा है। समाज में शिक्षा के प्रसार और आर्थिक स्थिति में सुधार का असर बाल विवाह की संख्या में कमी के तौर पर नजर आ रहा है। कुछ राज्य जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और झारखंड में इसमें उल्लेखनीय सुधार नजर आ रहा है। लेकिन अब भी काफी प्रयास किए जाने शेष हैं।

उत्तर प्रदेश तो इस लिहाज से चैंपियन स्टेट की तरह उभरकर आया है और 15 से 19 साल की उम्र में सिर्फ 6.4 फीसदी लड़कियों की ही शादी हो रही है। हालांकि, बंगाल में स्थिति चिंताजनक है। कम उम्र में विवाह का बुरा प्रभाव किशोरियों के गर्भवती होने का है। बाल विवाह की दर में ज्यादातर राज्यों में कमी आई है पर कुछ राज्य ऐसे भी हैं जहां अन्य राज्यों की तुलना में सुधार अपेक्षाकृत काफी कम है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-चार (2015-16) के अनुसार, देश में बाल विवाद की औसत दर 11.9 फीसदी है। हिमाचल प्रदेश और मणिपुर में आंकड़ों में कुछ वृद्धि जरूर दर्ज की गई है। एनएफएचएस तीन (2005-06) के आंकड़ों से एनएफएचएस-चार (2015-16) के आंकड़ों में उत्तर प्रदेश के आंकड़ों में काफी सुधार हुआ है। उत्तर प्रदेश में 29 फीसदी से दर कम होकर सिर्फ 6.4 फीसदी ही रह गया है। पश्चिम बंगाल में भी सुधार हुआ है, मगर कम है। बंगाल में 34 फीसदी से यह दर कम होकर 25.6 फीसदी रह गई है।

बाल विवाह का दुष्प्रभाव कम उम्र में गर्भधारण के रूप में भी है। 15 से 19 की उम्र में शादी होने वाली लड़कियों में हर तीन में से एक लड़की टीन-ऐज में ही मां बन जा रही है। इस उम्र में शादी होने वाली लड़कियों में से एक चौथाई 17 साल की उम्र तक मां बन जाती हैं और 31 फीसदी 18 की उम्र तक मां बन जाती हैं। टीन-ऐज प्रेगनेंसी में गोवा पहले नंबर पर है, मिजोरम दूसरे और मेघालय तीसरे नंबर पर है। बाल विवाह को लेकर शहरों की स्थिति गांवों से बेहतर है और इसी तरह आर्थिक आधार भी बाल विवाह रोकने के लिहाज से अहम फैक्टर है। शहरों में बाल विवाह का औसत 6.9 फीसदी और गांवों में 14.1 फीसदी है। कुछ राज्य ऐसे हैं जहां शहरों में बाल विवाह के आंकड़े चौंका सकते हैं। शहरी क्षेत्र में विवाह में पहला नंबर हरियाणा का है और दूसरे नंबर पर तमिलनाडु है। तीसरे नंबर पर मणिपुर का नंबर आता है। दरअसल, छोटी आयु में विवाह का मुख्य कारण सिर्फ अशिक्षा व गरीबी है। अभिभावक गरीबी के कारण बेटी का जल्दी विवाह कर सामाजिक दायित्व से निवृत्त होना चाहते हैं।

नासमझी और अशिक्षित होने के कारण उन्हें यह ज्ञान नहीं रहता कि वे अपनी बेटी को एक अंधे कुएं की ओर धकेल रहे हैं जिसमें से वह ताउम्र नहीं निकल पाएगी। छोटी आयु में विवाह के कारण लड़की को गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ता है। खेलने-कूदने के दिनों में वह घर-गृहस्थी की समस्याओं से जूझती रहती है। इसके अलावा, उसे घरेलू हिंसा का सामना भी करना पड़ता है। फिर शारीरिक रूप से अपरिपक्वता के साथ उसे शिक्षा से भी वंचित होना पड़ता है। बाल विवाह को सख्ती से रोकने के लिए अनेक स्तरों पर प्रयास किए गए। यह सदियों पुरानी कुप्रथा है जिसे जाने अनजाने हम आज भी भले ही कम, मगर ढोते चले आ रहे हैं। 1928-29 में शारदा एक्ट बना, जिसमें नाबालिग बच्चों के विवाह को निषिद्ध किया गया। भारत सरकार ने इस कानून की पालना के लिए लड़के की आयु 21 वर्ष व लड़की की आयु 18 वर्ष निर्धारित की थी। इससे कम आयु के बच्चों का विवाह कानूनी रूप से निषिद्ध और दंडनीय अपराध स्वीकारा गया। बाल विवाह निषेध अधिनियम-2006 में बाल विवाह को दंडात्मक अपराध माना गया है।

रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के 40 प्रतिशत बाल विवाह भारत में होते हैं। इनमें 49 प्रतिशत लड़कियों के विवाह 18 वर्ष से कम आयु में हो जाते हैं। लिंग भेद वर अशिक्षा सबसे बड़ा कारण माना गया है। यूनिसेफ के अनुसार राजस्थान में 82 प्रतिशत लड़कियों का विवाह 18 साल से पहले हो जाता है। 1978 में संसद द्वारा बाल विवाह निवारण कानून पारित किया गया था। इसमें विवाह की आयु निर्धारित की गई थी। यूनिसेफ की बच्चों संबंधी एक और रिपोर्ट में यह बताया गया है 47 प्रतिशत महिलाएं कानूनी रूप से 18 वर्ष से कम आयु में ब्याही गईं। इनमें 56 प्रतिशत महिलाएं ग्रामीण क्षेत्रों की थीं। बाल विवाह आज भी ज्वलंत समस्या के रूप में हमारे सामने है। यह अनादिकाल से चली आ रही है। सामाजिक मान्यता मिलने के कारण इसे बढ़ावा मिलता रहा है। इसी कारण इस कुप्रथा ने विकराल रूप धारण कर लिया। अशिक्षा व अज्ञानती का वजह से कुछ लोग इस कुप्रथा को अब भी ढोए जा रहे हैं। बाल विवाह को बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन भी माना गया है। जब तक बच्चे बालिग या समझदार न हो जाएं और अपने भले-बुरे की पहचान के योग्य न हो जाएं, तब तक विवाह नहीं किया जाना चाहिए।

यह भी वैज्ञानिक परिणामों से स्पष्ट है कि बाल विवाह से अच्छे स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा का अधिकार, खेलने-कूदने के अवसर हासिल नहीं होते। कच्ची उम्र में शादी होने से स्वास्थ्य और जननांगों पर भी खराब असर पड़ता है जिसे बच्चों को ताउम्र झेलना पड़ता है। फिर छोटी उम्र में विवाह से लड़कियों को लड़कों की अपेक्षा अधिक हानि उठानी पड़ती है। असुरक्षित यौन संबंधों से उनके स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इसके फलस्वरूप अनेक भीषण बीमारियों से ग्रस्त होना आम बात है। बाल विवाह के कारण गर्भधारण व असमय गर्भपात का सामना करना पड़ता है और नवजात शिशु के भी अकाल मौत का शिकार होने का अंदेशा बना रहता है। कुपोषण और खून की कमी से मां और बच्चे के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। बाल विवाह के समर्थक इसके पक्ष में अनेक कुतर्कों का सहारा लेकर समाज को गुमराह करने का प्रयास करते हैं।

सामाजिक चेतना के अभाव और कानून की शिथिलता के कारण निश्चय ही बाल विवाह की सामाजिक कुरीति को बढ़ावा मिलता है। बाल विवाह को रोकने के लिए समाज में जनचेतना के प्रयास किए जाने बेहद आवश्यक हैं। पिछले कुछ दशकों से इस दिशा में किए गए प्रयासों का असर देखने को मिला है। शिक्षित समाज ने इस सामाजिक बुराई को समझा है। मगर ग्रामीण तबका आज भी बाल विवाह का पक्षधर है। इस तबके को समझाने के लिए सभी संभव प्रयास करने होंगे।

ट्विटर

हमारी बड़ी आबादी अब भी खतरे में है, संक्रमण तेजी से फैल सकता है। ऐसे में हमें इलाज और दवाइयों के इतर बचाव की सारी सावधानियां पर जोर देना होगा।

डॉ. बलराम, महानिदेशक आईसीएमआर

देश में कोरोना की रफ्तार कम नहीं है। जरा सी चूक इस बीमारी को कम्युनिटी संक्रमण की तरफ ले जाएगी और तब इस पर अंकुश लगा पाना आसान नहीं रहेगा।

लव अग्रवाल, स्वास्थ्य सचिव

सत्यार्थ

इंसान भाग्य का दास नहीं

महाराज वीरभद्र के मन में एक दिन एक सवाल उठा कि जब भाग्य पहले से निश्चित है, तो मनुष्य के प्रयासों का क्या औचित्य? उन्होंने यह प्रश्न सभासदों के समक्ष रखा, लेकिन कोई भी इसका संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। तभी दरबार में बैठे चतुर सिंह ने महाराज से कहा कि इस सवाल का समुचित जवाब उसका मित्र विशाल ही दे सकता है। महाराज ने विशाल को दरबार में बुलाने के लिए कहा। विशाल उपस्थित हुआ तो महाराज ने अपना प्रश्न उसके सामने रखा। विशाल बोला-महाराज, मेरे विचार से मनुष्य भाग्य का दास नहीं है। जब सब कुछ पूर्व निश्चित हो, तो मानव की समस्त गतिविधियां यांत्रिक हो जाएंगी। वह एक निरीह प्राणी से ज्यादा कुछ नहीं रह जाएगा। मनुष्य स्वयं अपने भाग्य का निर्माता है। महाराज समेत सभी दरबारी विशाल की बात ध्यानपूर्वक सुन रहे थे। विशाल ने आगे कहा- महाराज, व्यक्ति के जीवन में जब कभी मानसिक संघर्ष की घड़ी आती है, तो उस समय वह अपनी इच्छा और विवेक के अनुसार मार्ग चुनने को स्वतंत्र होता है। वह कुमार्ग चुनता है, तो उसे दुष्परिणाम भुगतने ही होंगे। बुराई का अपना आकर्षण होता है, लेकिन विवेकी व्यक्ति उसके जाल में कभी नहीं फंसता। वह सही निर्णय लेकर उन्नति के पथ का राही बन जाता है, वहीं गलत रास्ता चुनने वाला पतन के गर्त में पहुंचता है और अपनी गलती छिपाने के लिए कहता है कि उसके भाग्य में बर्बाद होना ही लिखा था। परिश्रम, पुरुषार्थ, लगन और विवेक से किया गया कार्य अच्छा परिणाम देता है। अपने सवाल का सटीक उत्तर सुन महाराज वीरभद्र बहुत खुश हुए। उन्होंने बहुमूल्य उपहार देकर विशाल को सम्मानित किया और उसे अपने दरबार का सदस्य बना लिया।

Tata Motors लाई शानदार ऑफर

इन कारों पर दे रही 40 हजार रुपए तक के फायदे

दुनियाभर में संक्रमण से फैली महामारी के प्रकोप से ऑटोमोबाइल सेक्टर भी अछूता नहीं है। मार्च के आखिरी हफ्त से लागू देशव्यापी लॉकडाउन की असर अप्रैल महीने में दिखाई दिया। अप्रैल के महीने में एक भी कार की बिक्री नहीं हुई। लॉकडाउन के प्रतिबंधों में मिली छूट के बाद ऑटो निर्माताओं ने प्लांट में उत्पादन फिर से शुरू किया है। इसके साथ ही डीलरशिप और शोरूम भी खुलने शुरू हो गए, लेकिन मई के महीने में वाहनों की बिक्री में भारी कमी देखी गई। हालांकि वाहनों की बिक्री को बढ़ाने और ग्राहकों को लुभाने के लिए कार निर्माता कंपनियां कई आकर्षक ऑफर्स ले कर आ रही हैं। इसके साथ ही फाइनैंसिंग स्कीम भी ऑफर कर रही हैं। टाटा मोटर्स भी जून के महीने में अपने कई मॉडल्स पर डिस्काउंट और फायदे दे रही है। यहां जानते हैं टाटा के किस मॉडल पर कंपनी क्या बेनिफिट दे रही है।

टियागो

टाटा मोटर्स अपनी एंट्री लेवल कार टियागो को जून के महीने में खरीदने पर 25,000 रुपए तक के बेनिफिट्स दे रही है। इन बेनिफिट्स में 15 हजार रुपए का नगद डिस्काउंट और 10 हजार रुपए का एक्सचेंज बोनस दिया जा रहा है। टाटा की यह शानदार कार सिर्फ पेट्रोल इंजन के साथ उपलब्ध है। इस कार में 1.2-लीटर का पेट्रोल इंजन मिलता है। यह इंजन 86 PS का पावर जेनरेट करता है। Tiago की शुरुआती कीमत 4.60 लाख रुपए है।

टिगोर

सब-कॉम्पैक्ट सेडान सेगमेंट की कार टिगोर को खरीदने पर टाटा मोटर्स सबसे ज्यादा फायदा दे रही है। जून के महीने में टिगोर को खरीदने पर आप 40,000 रुपए तक के फायदे ले सकते हैं। इसमें 20 हजार का नगद डिस्कांउट और 20 हजार रुपए का एक्सचेंज बोनस शामिल है। टाटा की यह सेडान कार केवल पेट्रोल इंजन के साथ आती है। टिगोर में भी टियागो में दिया गया 1.2-लीटर का पेट्रोल इंजन मिलता है। यह इंजन 86 PS का पावर जेनरेट करता है। टिगोर की कीमत 5.75 लाख से शुरू होती है और इसके टॉप मॉडल की कीमत 7.49 लाख रुपए तक जाती है।

हैरियर

Tata Motors अपनी दमदार एसयूवी हैरियर को जून में खरीदने पर 30,000 रुपए के बेनिफिट्स दे रही है। कंपनी की इस कार को खरीदने पर सिर्फ एक्सचेंज बोनस दिया जा रहा है। हैरियर एक 5-सीटर एसयूवी है। इसमें पेट्रोल इंजन का विकल्प नहीं मिलता है। इस एसयूवी में 2.0-लीटर डीजल इंजन दिया गया है। यह इंजन 170 PS का पावर जेनरेट करता है। हैरियर की शुरुआती कीमत 13.69 लाख रुपए है।

डीलरशिप से लें जानकारी

टाटा अपनी नेक्सॉन और अल्ट्रॉज काप पर कोई ऑफर नहीं दे रही है है। बता दें कि टाटा मोटर्स के इन मॉडल्स पर दिया जा रहा यह ऑफर शहर, डीलरशिप, कार के वेरिएंट और रंग के आधार पर अलग-अलग हो सकते हैं। जून में टाटा की किस कार पर सबसे ज्यादा छूट मिल सकती है, इसकी जानकारी के लिए आपको कंपनी की डीलरशिप पर संपर्क करना चाहिए। यहां दी गई कारों की कीमत दिल्ली में एक्स शोरूम की हैं।

मारुति सुजुकी की कारों पर 55,000 रुपए तक मिल रहा बंपर डिस्काउंट

देश की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनी मारुति सुजुकी जून में अपने चुनिंदा मॉडल्स पर कई आकर्षक ऑफर दे रही है। मारुति सुजुकी के अरीना डीलरशिप में ज्यादातर कारों पर कई बेनिफिट्स दिए जा रहे हैं। इन सभी कारों पर एक्सचेंज ऑफर, कॉर्पोरेट बोनस और कंज्यूमर डिस्काउंट जैसे ऑफर मिल रहे हैं। इसके अलावा कंपनी ग्राहकों को कई तरह के फाइनैंसिंग ऑप्शन भी दे रही है। इस बात का खास ख्याल रखें कि अलग-अलग डीलर्स के यहां ऑफर में बदलाव हो सकता है। कार खरीदने से पहले शोरूम पर ऑफर्स के बारे में जानकारी जरूर लें। इन ऑफर का लाभ सिर्फ जून महीने तक ही उठाया जा सकेगा। यहां दी गई कारों की कीमत दिल्ली में एक्स शोरूम की हैं। आइए जानते हैं मारुति सुजुकी के किस मॉडल पर कितना डिस्काउंट मिल रहा है।

ऑफर कुछ ही दिनों के लिए

ऑल्टो-800

मारुति सुजुकी रेंज में एंट्री लेवल कार ऑल्टो मॉर्डन और लेटेस्ट फीचर्स के मामले में अपने प्रतिद्वंद्वी रेनो क्विड) और डैटसन रेडिगो से पिछड़ न जाए इसलिए कंपनी अपनी इस लोकप्रिय और सस्ती कार पर 38,000 रुपए तक की छूट दे रही है। इसमें 20 हजार रुपए कैश डिस्काउंट और 15 हजार रुपए एक्सचेंज बोनस समेत अन्य बेनिफिट्स शामिल हैं। ऑल्टो की कीमत 2.94 लाख से शुरू होती है और 4.36 लाख रुपए तक जाती है। इस सस्ती कार की खरीद के लिए ग्राहकों को लुभाने के लिए इस महीने इस पर छूट दी जा रही है।

वैगन आर

मारुति सुजुकी की टॉलबॉय हैचबैक वैगन आर कार का सेकंड जेनरेशन मॉडल अपने पुराने मॉडल जितना ही लोकप्रिय है। जून में इस कार की खरीद पर 33,000 रुपए तक के बेनिफिट्स मिल रहे हैं। इसमें 10 हजार कैश डिस्काउंट और 20 हजार एक्सचेंज बोनस समेत अन्य फायदे शामिल हैं। वैगनआर की कीमत 4.45 लाख से शुरू होती है और इसके टॉप वेरिएंट की कीमत 5.94 लाख रुपए तक जाती है। वैगन आर दो इंजन ऑप्शन- 1.0-लीटर और 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन के साथ आती है।

ईको

मारुति अपनी इस लोकप्रिय वैन ईको की खरीद पर जून में 33,000 रुपए तक के फायदे दे रही है। इसमें 10 हजार का नगद डिस्काउंट और 20 हजार ऐक्सचेंज बोनस समेत अन्य ऑफर शामिल हैं। मारुति ईको की कीमत 3.80 लाख से 6.84 लाख रुपए के बीच है।

सिलेरियो

मारुति सुजुकी अपनी लोकप्रिय हैचबैक कार सिलेरियो की खरीद पर इस महीने 48,000 रुपए तक के फायदे दे रही है। इसमें 25 हजार का नगद डिस्काउंट और 20 हजार एक्सचेंज बोनस समेत अन्य ऑफर शामिल हैं। Tata Tiago और Hyundai Santro को टक्कर देने वाली Celerio की कीमत 4.41 लाख से शुरू होती है और इसके टॉप मॉडल की कीमत 5.58 लाख रुपए तक जाती है।

एस-प्रेसो

मारुति सुजुकी अपनी माइक्रो एसयूवी कार एस-प्रेसो की खरीद पर जून में 48,000 रुपए की छूट दे रही है। इस ऑफर के तहत मारुति सुजुकी एस-प्रेसो कार खरीदने पर 20,000 रुपए का नगद डिस्काउंट और 20,000 रुपए का एक्सचेंज बोनस दिया जा रहा है। इसके अलावा 8 हजार रुपए का अतिरिक्त लाभ भी मिल रहा है, इसमें एक्सेसरीज, कॉर्पोरेट डिस्काउंट शामिल हैं। Maruti Suzuki S-Presso की दिल्ली में एक्स-शोरूम कीमत 3.69 लाख रुपए से शुरू होती है जो 4.91 लाख रुपए तक जाती है।

स्विफ्ट हाइब्रिड

सब-कॉम्पैक्ट हैचबैक सेगमेंट में Ford Figo और Hyundai Grand i10 Nios जैसी कारों को टक्कर देनेवाली स्विफ्ट पर इस महीने 50,000 रुपए तक की छूट मिल रही है। इसमें 20 हजार कैश डिस्काउंट, 25 हजार एक्सचेंज बोनस और अन्य ऑफर शामिल हैं। स्विफ्ट की शुरुआती कीमत 5.19 लाख रुपए है, जो 8.02 लाख रुपए तक जाती है।

डिजायर

सब-कॉम्पैक्ट सेडान सेगमेंट में मारुति सुजुकी की लोकप्रिय कार डिजायर की खरीद पर 45,000 रुपए की छूट मिल रही है। जबकि इसके पुराने फ्री-फेसलिफ्ट मॉडल पर 55,000 रुपए का डिस्काउंट मिल रहा है। नए फेसलिफ्ट मॉडल पर मिलने वाले 45,000 तक के बेनिफिट्स में 15 हजार रुपए का नगद डिस्काउंट और 25 एक्सचेंज बोनस समेत अन्य ऑफर शामिल हैं। वहीं प्री-फेसलिफ्ट पुराने मॉडल पर 25 हजार रुपए का नगद डिस्काउंट मिल रहा है, जिससे इस मॉडल पर मिलने वाली कुल छूट 55 हजार रुपए तक पहुंच जाती है। नई डिजायर की कीमत 5.89 लाख से शुरू होती है और इसके टॉप मॉडल की कीमत 8.80 लाख रुपए है।

MG Motor लाएगी इलेक्ट्रिक एसयूवी ZS EV का नया मॉडल, रेंज बढ़ जाएगी कई गुना

चीन की SAIC Motor के मालिकाना हक वाली ब्रिटिश ऑटोमोबाइल कंपनी MG Motor ने इस साल की शुरुआत में भारत में अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार MG ZS EV के साथ भारतीय बाजार में एंट्री की थी। MG Motor India (एमजी मोटर इंडिया) को अपनी पहली क्रॉसओवर Electric SUV (इलेक्ट्रिक एसयूवी) MG ZS EV के लिए शानदार बुकिंग मिली। Hector SUV (हेक्टर एसयूवी) के बाद MG ZS EV भारत में कार निर्माता का दूसरा मॉडल है। एमजी मोटर इंडिया Hector के अलावा ZS EV को गुजरात में हलोल संयंत्र में तैयार करेगी। कंपनी ने शुरुआत में ZS EV को पांच शहरों- दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु और हैदराबाद में लॉन्च किया, जिसके बाद अब यह अन्य सात शहरों अहमदाबाद, चंडीगढ़, जयपुर, सूरत, पुणे, कोच्चि और चेन्नई में भी उपलब्ध है।

ZS EV की स्पेसिफिकेशंस (फोटो: ZS EV की स्पेसिफिकेशंस) : MG ZS EV को दो वेरियंट एक्सक्लूसिव और एक्साइट में लॉन्च किया गया। यह कार तीन रंगों फेरिस वाइट, कोपनहेगन ब्लू और करंट रेड में उपलब्ध है। ZS EV एसयूवी में 44.5 kWh, लिक्विड-कूल्ड बैटरी और IP-67 सर्टिफाइड लिथियम-आयन बैटरी पैक मिलता है। जो 143 PS का पावर और 353 Nm का टॉर्क देता है। यह बैटरी मात्र 40 मिनट में 50 kW DC के फास्ट चार्जर से 80 फीसदी तक चार्ज हो जाती है। वहीं 7 kW चार्जर से चार्जिंग में सात घंटे का वक्त लगता है। फुल बैटरी चार्जिंग पर MG ZS EV एसयूवी 340 किमी की दूरी तय करती है। वहीं यह इलेक्ट्रिक कार मात्र 8.5 सेंकड में 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है। जबकि इसकी प्रतिद्वंदी ह्यूंदै कोना नौ सेकंड में यह रफ्तार पकड़ती है। ZS EV की यह रेंज ARAI (ऑटोमोटिक रिसर्च असोसिएशन ऑफ इंडिया) के आंकड़ों के मुताबिक है।

नए वेरिएंट की तैयारी (फोटो: ZS EV लॉन्च): एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी अपनी इस क्रॉसओवर Electric SUV के एक नए वेरिएंट को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। यह नया वेरिएंट फुल चार्जिंग पर 500 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकेगा। हालांकि, एमजी मोटर ने अभी यह जानकारी नहीं दी है कि नए लॉन्ग रेंज वेरिएंट को कब लॉन्च किया जाएगा। MG Motor ने हाल ही में घोषणा की थी कि वो भारत में 5,000 करोड़ रुपए से ज्यादा निवेश कर यहां इलेक्ट्रिक कार उत्पादन की क्षमताओं को बढ़ा रही है। कंपनी अपने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए कम्पोनेन्ट्स को स्थानीय स्तर पर बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

किफायती इलेक्ट्रिक कार लाएगी (फोटो: ZS EV -1): कंपनी के मुताबिक आने वाले सालों में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग तेज होगी। इसके मद्देनजर कंपनी साल 2022 से भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में निवेश बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी भारतीय बाजार में आम लोगों के लिए कम कीमत की इलेक्ट्रिक कार पर भी काम कर रही है, जिसकी कीमत 10 लाख रुपए हो सकती है।

ZS के पेट्रोल मॉडल की भी योजना (फोटो: ZS EV इंट्रीरियर): रिपोर्ट के मुताबिक एमजी मोटर अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी ZS के पेट्रोल वर्जन को भारत में अगले साल तक लॉन्च कर सकती है। MG ZS पेट्रोल मॉडल की कीमत करीब 16 लाख रुपए तक हो सकती है। भारतीय बाजार में इसका मुकाबला ह्यूंदै क्रेटा) और किआ सेल्टॉस जैसी एसयूवी से होगा। ZS पेट्रोल मॉडल देखने में ZS EV की तरह ही होगी। बस इसमें नई ग्रिल समेत कुछ मामूली बदलाव देखने को मिलेंगे।

घर बैठे खरीदें Hero के मोटरसाइकिल-स्कूटर

कंपनी ऑनलाइन बेच रही है गाड़ियां, आफ्टरसेल्स सर्विस भी देगी

Hero MotoCorp (हीरो मोटोकॉर्प) ने ग्राहकों को पूरी तरह से डिजिटल खरीदारी का अनुभव देने के लिए अपने ऑनलाइन सेल्स प्लेटफॉर्म - eShop (ईशॉप) की शुरुआत करने की घोषणा की है। इसके तहत, अब ग्राहक अपनी पसंद के वाहन, चाहे वह स्कूटर हो या मोटरसाइकिल, सीधे कंपनी की वेबसाइट से खरीद सकते हैं, जिसके बाद ग्राहकों को डीलरशिप पर जाने की जरूरत नहीं रह जाएगी। खरीदारी की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी।

ऐसे चुनें मनपसंद गाड़ी : eSHOP अब हीरो मोटोकॉर्प की भारत के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर दिखाई दे रहा है। हीरो की मोटरसाइकिल या स्कूटर ऑनलाइन खरीदने के इच्छुक खरीदार जब वेबसाइट पर जाएंगे तो यहां eShop का ऑप्शन दिखाई देगा। इस लिंक पर क्लिक करने पर ऑनलाइन खरीदारी करने वाली वेबसाइट खुल जाएगी। इस पर वाहन खरीदने संबंधी हर तरह के निर्णय लेने, वाहन खरीदने और डिलीवरी लेने के सभी प्रासंगिक चरणों के माध्यम से ग्राहकों को पूरी जानकारी दी जाती है। जिसमें वाहन की लेटेस्ट ऑन-रोड कीमत, स्टॉक का लाइव स्टेटस, ऑनलाइन दस्तावेज जमा करना शामिल है, डीलरशिप की जानकारी, फाइनेंस ऑप्शन, सेल्स ऑर्डर प्रीव्यू एंड कन्फर्मेशन, VIN लोकेशन और डिलीवरी डिटेल्स संबंधी सभी जानकारी मिलती है। ग्राहक अपनी पसंद की बाइक या स्कूटर के साथ ही वेरिएंट, रंग और अपनी पसंद का शहर भी चुन सकता है।

खरीदारी में असिस्टेंट करेगा मदद : भुगतान हो जाने के बाद, ग्राहक को वेरिफिकेशन के लिए एक यूनिक ओटीपी नंबर के साथ ई-रसीद दी जाती है। एक बार सिस्टम में वेरिफिकेशन का काम पूरा हो जाने के बाद, चयनित डीलर ग्राहक के लिए एक सेल्स असिस्टेंट नियुक्त करता है। यदि ग्राहक इच्छुक है, तो भुगतान की प्रक्रिया के दौरान रिटेल फाइनैंस ऑप्शन का विकल्प भी दिया जाता है। सेल्स असिस्टेंट ग्राहकों को हर तरह की जानकारी देता है और उन्हें इसके बाद के चरणों डॉक्युमेंटेशन, फाइनैंस, इनवॉयसिंग, इंश्योरेंस, रजिस्ट्रेशन और डिलिवरी (होम डिलिवरी का ऑप्शन) तक गाइड करता है।

मनचाही डिलीवरी लें: ऑर्डर की प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद, ग्राहक को एक लिंक के साथ एक एसएमएस भेजा जाता है जो उसे दस्तावेज अपलोडिंग सेक्शन में ले जाता है। वेरिफिकेशन के बाद, ग्राहक को सेल्स ऑर्डर का प्रिव्यू भेजा जाता है और एक इनवॉयस बनाया जाता है। वाहन के रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन डीलर द्वारा किया जाता है और वाहन को ग्राहक के चुने गए विकल्प के अनुसार डिलीवर किया जाता है। इसमें होम डिलिवरी या डीलरशिप पर डिलीवरी के विकल्प मिलते हैं। डिलीवरी के दौरान, ग्राहक से दस्तखत कराए गए कुछ जरूरी दस्तावेज लिए जाते हैं, जिनकी जरूरत आरटीओ में होती है।

डिजिटल आफ्टरसेल्स सर्विस लॉन्च : इसके अलावा हीरो मोटोकॉर्प ने कई डिजिटल आफ्टरसेल्स सर्विस भी लॉन्च की है, जिसमें इंडस्ट्री में पहली बार दी जा रही डिजिटल सर्विस जॉब कार्ड और एक्नॉलेजमेंट रसीद सहित एप-आधारित सर्विस बुकिंग और वर्कशॉप संचालन के घंटों में वृद्धि शामिल है। हीरो मोटोकॉर्प मोबाइल एप्लिकेशन का इस्तेमाल कर ग्राहक अपनी गाड़ी की सर्विस को अपने नजदीकी सर्विस सेंटर में प्री-बुक कर सकते हैं। इसके अलावा, वे वर्कशॉप में किसी भी तरह की कागजी कार्रवाई और शारीरिक संपर्क से भी बच सकते हैं, जिसके लिए वे अपने खुद के सर्विस जॉब-कार्ड तैयार कर एक डिजिटल एक्नॉलेजमेंट प्राप्त कर सकते हैं।

Bajaj CT और Platina बाइक्स हुईं महंगी

दोनों बाइक के दो-दो मॉडल, किसमें कितनी पावर?

Bajaj Auto ने पिछले कुछ महीनों में अपनी सबसे सस्ती बाइक्स Bajaj CT और Bajaj Platina के बीएस6 कम्प्लायंट मॉडल लॉन्च किए हैं। बीएस4 मॉडल के मुकाबले इन बाइक के बीएस6 मॉडल की कीमत 6-7 हजार रुपए तक बढ़ी थी। इसके कुछ समय बाद इन मोटरसाइकल्स की कीमत में हल्का इजाफा देखने को मिलता रहा। अब कंपनी ने एक बार फिर इन दोनों बाइक की कीमत 2,349 रुपए तक बढ़ा दी है। कीमत में इजाफे के बाद अब बजाज CT 100 का दाम बीएस4 मॉडल के मुकाबले करीब 9,400 रुपए ज्यादा हो गया है। हालांकि, इसके बाद भी यह देश में मिलने वाली सबसे सस्ती मोटरसाइकल है। नीचे देखें बजाज सीटी और प्लैटिना की नई कीमत

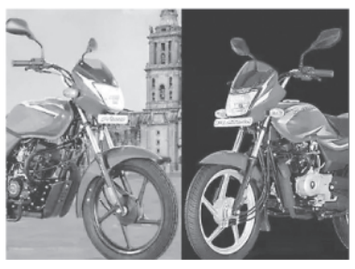

बाइक	पुरानी कीमत	नई कीमत	कितना इजाफा
CT 100	(41,293 से 48,973 रुपए)	(42,790से 50,470 रुपए)	1497 रुपए
CT 110 किक स्टार्ट	46,912 रुपए	48,410 रुपए	1498 रुपए
Platina 100 किक स्टार्ट	47,763 रुपए	49261 रुपए	1498 रुपए
Platina 110 H-Gear	60,550 रुपए	62,899 रुपए	2349 रुपए

बजाज सीटी रेंज में दो मॉडल (CT100 और CT 110) और प्लैटिना रेंज में भी दो मॉडल (Platina 100 और Platina 110 H-Gear) आते हैं। CT 100 और Platina 100 में 102 cc का इंजन है, जो 7.9 PS की पावर और 8.34 Nm टॉर्क जेनरेट करता है। इंजन 4-स्पीड गियरबॉक्स से लैस है। इसकी टॉप स्पीड 90 किलोमीटर प्रति घंटा है। CT 110 और Platina 110 H-Gear में 115.45 cc का इंजन मिलता है। यह इंजन 8.6 PS की पावर और 9.81 Nm टॉर्क जेनरेट करता है। सीटी 110 में 4-स्पीड और प्लैटिना 110 एस-गियर में 5-स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है।

TVS Apache RTR 160 और Apache RTR 180 हुईं महंगी

TVS की दो पॉप्युलर बाइक Apache RTR 160 औरU Apache RTR 180 महंगी हो गई हैं। कंपनी ने इन दोनों बाइक की कीमत बढ़ा दी है। अपाचे RTR 160 के दाम में 2 हजार और अपाचे RTR 180 के दाम में 2,500 रुपए का इजाफा हुआ है। अपाचे सीरीज की ये दोनों बाइक कंपनी की सबसे पुरानी प्रीमियम कम्यूटर मोटरसाइकल हैं। अपाचे RTRv60 दो वेरियंट (ड्रम और डिस्क) में आती है। कीमत में इजाफे के बाद अब इसके ड्रम ब्रेक वेरियंट का दाम 97 हजार और डिस्क वेरियंट का दाम 1 लाख रुपए हो गया है। दूसरी ओर, अपाचे RTR 180 की कीमत अब 1,03,950 रुपए हो गई है, जबकि पहले इसका दाम 1,01,450 रुपए था।

अपाचे RTR 160 की पावर: टीवीएस अपाचे RTR 160 में बीएस6 कम्लायंट 159cc, एयर-कूल्ड इंजन है। यह इंजन 8400 rpm पर 15.3 hp की पावर और 7000 rpm पर 13.9 Nm टॉर्क जेनरेट करता है। इंजन 5-स्पीड गियरबॉक्स से लैस है।

अपाचे RTR 180 की पावर: Apache RTR 180 में बीएस6 कम्लायंट 177.4cc, सिंगल-सिलिंडर, ऑयल-कूल्ड इंजन है। यह इंजन 8500 rpm पर 16.5 hp की पावर और 7000 rpm पर 15.5 Nm पीक टॉर्क जेनरेट करता है। इंजन 5-स्पीड गियरबॉक्स से लैस है।

न्यूज

बाल सुधार गृह के इतने सारे बच्चे एक साथ कैसे हो गए संक्रमित: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के रॉयपुरम स्थित बाल सुधार गृह में 35 बच्चों के कोरोना संक्रमित होने के मामले में स्वत: संज्ञान लिया और गुरुवार को राज्य सरकार से जवाब-तलब किया। सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की खंडपीठ ने मामले का स्वत: संज्ञान लेकर की गई सुनवाई में तमिलनाडु सरकार को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि बच्चों को संक्रमण से बचाने के लिए क्या उपाय किए गए। खंडपीठ ने इस सिलसिले में सरकार से रिपोर्ट मांगी है और सोमवार को मामले की सुनवाई करने का निर्णय लिया है। खंडपीठ ने प्रश्नावली तैयार करके भी देश के सभी राज्यों को भेजी है और उनसे बाल सुधार गृहों के संबंध में आंकड़े मांगे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को फटकार लगाते हुए उसके रवैये पर सवाल उठाए। खंडपीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बाल सुधार गृहों और संरक्षण स्थलों पर रह रहे बच्चों को कोरोना संक्रमण से बचाने के दिशा-निर्देश जारी किए थे, इसके बावजूद इतने सारे बच्चे एक साथ कैसे संक्रमित हो गए।

साकिब युसूफ बने कश्मीर रेलवे के पहले स्थानीय डीआरएम

श्रीनगर, (एजेंसी)। भारतीय रेलवे यातायात सेवा(आईआरटीएस) के अधिकारी साकिब युसूफ ने यहां मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक का पदभार ग्रहण कर लिया है। गुरुवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी। मध्य कश्मीर में बड़गाम जिले के निवासी श्री युसूफ रेलवे में यह पद संभालने वाले पहले स्थानीय हैं। श्री यूसुफ ने आईआरटीएस में 472वां रैंक हासिल किया था। उन्होंने प्रशिक्षण के लिए भारतीय रेलवे यातायात प्रबंधन संस्थान, लखनऊ में प्रवेश लिया। यह प्रशिक्षण 18 महीने चला। प्रशिक्षण में नेशनल एकेडमी ऑफ इंडियन रेलवे, बड़ौदा, नेशनल एकेडमी ऑफ ऑडिट एंड एकाउंट्स, शिमला, जोनल रेलवे ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, उदयपुर और रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र, नई दिल्ली जैसे अन्य संबंधित संस्थानों में संबंधित मॉड्यूल / पाठ्यक्रम भी शामिल थे। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें पश्चिम बंगाल में सुंदरवन से गुजरात में कच्छ और जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर से केरल में कन्याकुमारी तक 75,000 किलोमीटर से अधिक की यात्रा का अवसर मिला।

सामाजिक दूरी का पालन न करने पर 12 दुकानदारों के कटे चालान

जींद, (एजेंसी)। हरियाणा में यहां जींद बाजार में बिना फेस मास्क, दुकान में सामाजिक दूरी का पालन न करने पर नगर पालिका ने सात और पुलिस ने गुरुवार को 12 दुकानदारों के चालान किए। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने कोरोना वायरस के चलते चेहरे पर मास्क लगाना अनिवार्य बना दिया है। चौकी प्रभारी कृष्ण कुमार खर्ब ने बताया कि गुरुवार को 12 दुकानदारों के चालान काटे गए। हर रोज पुलिस टीमें बाजारों में गश्त कर रही हैं। जो भी दुकानदार सामाजिक दूरी का पालन नहीं करेगा, फेस मास्क के बिना दुकान पर मिलेगा उनके चालन किए जाएंगे। नगरपालिका टीम में शामिल जयपाल ने बताया कि गीता विद्या मंदिर स्कूल सहित आसपास के बाजारों में ननि की टीम ने सात दुकानदारों के चालान किए हैं।

ईपीएफ के पेंशनधारक सीएससी के जरिए देंगे जीवन प्रमाण पत्र

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कर्मचारी भविष्य निधि- ईपीएफ के पेंशन धारक अपना जीवन प्रमाण पत्र सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी) के जरिए के जरिए डिजीटली जमा करा सकते हैं। केंद्रीय रोजगार और श्रम मंत्रालय ने गुरूवार को यहां बताया कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने पेंशनधारकों की सुविधा के लि, सीएससी का नेटवर्क इस्तेमाल करने का निर्णय किया है। पेंशनधारक अपना जीवन प्रमाण पत्र डिजीटल रूप से सीएससी के जरिये भेज सकते हैं पेंशनधारकों को पेंशन लेने के लिये प्रत्येक वर्ष अपना जीवन प्रमाण पत्र देना आवश्यक है। देशभर में ईपीएफ पेंशनधारकों की संख्या तकरीबन 65 लाख हैं और सीएससी के तीन लाख 65 हजार केंद्र हैं। इससे पेंशनधारकों को अपने घरों के नजदीक जीवन प्रमाण पत्र जमा कराने की सुविधा मिल सकेगी। इसके अलावा यह प्रमाण पत्र ईपीएफओ के क्षेत्रीय और जिला कार्यलयों मे भी जमा कराया जा सकता है।

अमेरिका की पहली महिला सिख सैनिक को लोगोंवाल ने दी बधाई

अमृतसर, (एजेंसी)। अमेरिका की सेना में पहली बार किसी सिख महिला को एक सैनिक के तौर पर शामिल किए जाने पर अनमोल कौर नारंग को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के प्रधान भाई गोविंद सिंह लोंगोवाल ने बधाई दी है।भाई लोंगोवाल ने काह कि अनमोल कौर नारंग ने वेस्ट प्वाइंट आर्मी अकैडमी यूएसए से ग्रेजुएशन कर अमरीकी फ़ौज में शामिल हुई है। उन्होने कहा कि नारंग की उपलब्धी से सिख समुदाय में खुशी की लहर है। उन्होने अनमोल कौर नारंग के अच्छे भविष्य की कामना करते हुए युवाओं को उससे प्रेरणा लेने की अपील की है।

ओडिशा में सोनू सूद को 11000 'थैंक यू' पोस्टकार्ड भेजने अभियान शुरू

केंद्रपाड़ा, (एजेंसी)। केरल में फंसे ओडिशा के तटीय जिले केंद्रपाड़ा के प्रवासी मजदूरों को वापस भेजने के लिए रीयल लाइफ में अहम भूमिका का निर्वहन करने वाले अभिनेता सोनू सूद को 11,000 'थैंक यू' पोस्टकार्ड भेजे जाएंगे। एक स्थानीय सामाजिक संगठन केंद्रापाड़ा नवजवान यूनियन ने अभिनेता के प्रति प्रेम और सम्मान जताने के लिए पोस्टकार्ड अभियान शुरू किया है। जिला कलेक्टर समरथ वर्मा ने गुरुवार को अभियान की शुरुआत की। एक आयोजक ने कहा, हम सोनू सूद के बहुत आभारी हैं, जिन्होंने जिले के प्रवासी मजदूरों को उनके घर परिवार तक पहुंचाने में मदद की। उन्होंने कहा कि हमने पोस्ट कार्ड में लिखा है। मानवीयता का परिचय देने तथा केरल से हमारे जिले के 167 फंसे हुए प्रवासियों को लाने के लिए सोनू सूद का धन्यवाद।

कोरोना के मरीज की मदद करने वाली ऑटो चालक लाइबी सम्मानित

इम्फाल, (एजेंसी)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह ने कोविड-19 के मरीज की मदद करने वाली महिला ऑटो चालक लाइबी ओइनम को एक लाख 10 हजार रुपए की नकद राशि देकर सम्मानित किया है। यह नकद इनामी राशि मणिपुर के कुछ उद्यमियों और अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा तथा सिंगापुर में रहने वाले मणिपुर समुदाय के लोगों की ओर से जुटाई गई है। यह राशि लाइबी को उसके साहसिक एवं मानवतापूर्ण कार्य के लिए दी गयी है। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के दौर में जरूरतमंद लोगों की मदद कर कई लोग अनूठी मिसाल पेश कर रहे हैं। ऐसी ही एक मिसाल मणिपुर की महिला ऑटो चालक लाइबी ओइनम ने पेश की है। लाइबी ने अपने ऑटो से आठ घंटे का सफर तय करते हुए कोरोना के मरीज को उसके गंतव्य स्थान तक छोड़ा था। लाइबी ने 31 मई और एक जून की मध्यरात्रि को कोविड-19 से ठीक हो चुके एक मरीज को इम्फाल के जेएनआईएमएस अस्पताल से कामजोंग जिले तक छोड़ा था। लाइबी पर इससे पहले 'ऑटो ड्राइवर' नामक एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बन चुकी है जिसे 2015 में आयोजित 63वें राष्ट्रीय फिल्म समारोह में प्रदर्शित किया गया था।

पंजाब पुलिस द्वारा लश्कर-ए-तैयबा के 2 कश्मीरी आतंकवादी पठानकोट से गिरफ्तार

आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के लिए वादी में हथियारों की तस्करी की कोशिश की नाकाम

चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब पुलिस ने जम्मू-कशमीर के लशकर-ए-तैयबा (लश्कर) के दो आतंकवादीयों की गिरफ्तारी के साथ आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के लिए वादी में हथियारों की तस्करी की बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया है।

इन संदिग्ध आतंकवादियों से 10 हैंड ग्रेनेड, 1 ए.के. 47 राईफल और 2 मैगज़ीन और 60 जींदा कारतूस बरामद किये गए। इन संदिग्ध आतंकवादियों की पहचान आमिर हुसैन वानी (26 साल), निवासी हफसरमल जिला शौपियां और वसीम हसन वानी (27 साल) निवासी शरमल पुलिस थाना जैनापोरा, जिला शौपियां के तौर पर हुई है।

इन दोनों आतंकवादियों को पठानकोट पुलिस ने गिरफ्तार किया है जो ऑटोमैटिक हथियारों और हैंड ग्रेनेडों की पंजाब से कशमीर वादी में हथियारों की सक्रियता से तस्करी में शामिल थे।

पठानकोट पुलिस ने पुलिस थाना सदर क्षेत्र में अमृतसर-जम्मू हाईवे पर एक नाके पर एक ट्रक को पकड़ा है जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर जेके-03-सी-7383 है।

विवरण देते हुए डीजीपी दिनकर गुप्ता ने बताया कि ट्रक की तलाशी के उपरांत हथियार और गोला बारूद बरामद हुए हैं। मुलजिमों ने शुरूआती जांच के दौरान यह खुलासा किया कि उनको इशफ़ाक अहमद दर उर्फ बशीर अहमद खान, जो जम्मू और कश्मीर में सिपाही रह चुका है, द्वारा पंजाब से यह हथियारों की खेप लाने का निर्देश दिया गया था। मौजूदा समय में कशमीर वादी में लशकर-ए-तैयबा का यह सक्रिय आतंकवादी इशफाक दर साल 2017 में फरार हो गया था।

गिरफ्तार किये गए दोनों आतंकवादियों ने आगे बताया कि उन्होंने अमृतसर की सब्जी मंडी के नजदीक मकबूलपुरा-वाला रोड पर पहले से तय की गई जगह पर आज प्रात:काल दो अनजान व्यक्तियों से यह खेप प्राप्त की थी। डीजीपी के अनुसार उन्होंने फिर इस ट्रक में खेप को छिपा दिया था जिसको वह दिखावे के तौर पर अमृतसर की सब्जी मंडी में

से फल और सब्जियाँ लादने के उद्देश्य से लेकर गए थे।

आमिर हुसैन वानी ने खुलासा किया है कि उसने अपने ट्रक में पंजाब के लगाए गए पिछले चक्करों के दौरान अपने संचालकों इशफाक अहमद दर और डॉ. रमीज राजा, जो इस समय आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के कारण जम्मू-कशमीर की एक जेल में बंद हैं, के इशारे पर 20 लाख रुपए की हवाला मनी प्राप्त की थी।

आमिर ने यह भी खुलासा किया है कि अमृतसर की पिछली यात्राओं के दौरान उसने दो हथियारबंद हिजबुल मुजाहीदीन और लशकर-ए-तैयबा के आतंकवादियों को पंजाब से वादी लाया था। संयोगवश, दोनों व्यक्ति अब मर चुके हैं। उनकी पहचान आमिर द्वारा हिजबुल मुजाहीदीन के सद्दाम अहमद पड्डर पुत्र फारूक अहमद पड्डर निवासी हैप, जिला पुलवामा और लश्कर-ए-तैयबा के जासिम अहमद शाह पुत्र गुलाम अहमद शाह निवासी मलनार जिला पुलवामा के तौर पर की गई है। बताने योग्य है कि जासिम शाह को गुरदासपुर बाईपास, बटाला के नजदीक एक कश्मीरी होटल से ए.के-47 और ग्रेनेड सहित काबू किया गया था।

डी.जी.पी. ने बताया कि इन दोषियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25/54/59, विस्फोटक पदार्थ संशोधन अधिनियम 2001 की धारा 3/4/5 और गैरकानूनी गतिविधियों (रोकथाम) अधिनियम 1967 की धारा 13, 17, 18, 18-बी, 20 के अंतर्गत एफ.आई.आर., पुलिस थाना सदर पठानकोट में दर्ज कर ली गई है और जम्मू कश्मीर पुलिस के सहयोग से लश्कर-ए-तैयबा के इस नैटवर्क और पंजाब में उनकी कार्यवाहियों का पर्दाफाश करने के लिए अगली जांच जारी है। श्री गुप्ता के अनुसार आमिर और वसीम की गिरफ्तारी के साथ हुए खुलासों से पता चलता है कि पाक आईएसआई आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए सरहद पार से पंजाब और आगे कश्मीर वादी में हथियारों की खेप की तस्करी और आतंकवादियों की घुसपैठ कर रहा है।

इससे पहले, 25 अप्रैल, 2020 को, पंजाब पुलिस ने जम्मू-कशमीर के एक अन्य नौजवान हिलाल अहमद वागे को गिरफ्तार किया था जो कि पिछले दिनों मारे गए हिजबुल मुजाहीदीन के कमांडर रियाज़ अहमद नायकू के निर्देशों पर अमृतसर से ड्रग मनी लेने के लिए आया था। हिलाल अहमद ने ड्रग मनी लेजाने के लिए एक ट्रक का प्रयोग किया था।

मुख्यमंत्री द्वारा सामूहिक फैलाव के डर से सप्ताह के अंतिम दिनों और छुट्टी वाले दिन आने-जाने पर रोक

चंडीगढ़/ब्यूरो

कोविड के सामूहिक फैलाव के खतरे के डर से और माहिरों द्वारा इस महामारी का चरम अभी दो महीने बाद आने के संकेतों की आशंकाओं के चलते पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने गुरूवार को सप्ताह के आखिरी दिनों और सार्वजनिक छुट्टी वाले दिनों में सख्ती के हुक्म देते हुए सिर्फ ई-पास धारकों को ही आने-जाने की आज्ञा देने का फैसला किया है। कोविड की स्थिति का जायजा लेने और इसके आगे फैलाव को रोकने के लिए रा%य की तैयारियों संबंधी बुलाई गई वीडियो कॉन्फ्रेंस मीटिंग में मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि मैडीकल स्टाफ और जरूरी सेवाएं मुहैया करवाने वालों को छोड़कर बाकी सभी नागरिकों को सप्ताह के आखिरी दिनों और छुट्टी वाले दिन आने-जाने के लिए 'कौवा' ऐप से ई-पास डाउनलोड करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगों को सभी दिनों में सामान्य रूप से काम करने की इजाजत होगी। इसके साथ ही उन्होंने डी.जी.पी. दिनकर गुप्ता को इन निर्देशों का सख्ती के साथ पालन यकीनी बनाने के हुक्म देते हुए कहा कि बड़े जलसे होने से रोका जाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे सख्त कदम विश्वभर में कोविड मामलों की भारी वृद्धि के चलते उठाए जाने अति आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि सख्त बन्दिशें ही महामारी के चरम को जितना संभव हो, उतना टाल सकती हैं। उन्होंने कहा कि इस वायरस को रोकने हेतु जल्द कोई दवा या इलाज न होने की संभावना को देखते हुए सिर्फ सख्त प्रोटोकॉल ही महामारी के खिलाफ लड़ाई का एकमात्र रास्ता है। यह चेतावनी देते हुए कि महामारी आने वाले दिनों और हफ्तों में खतरनाक रूप धारन सकती है, मुख्यमंत्री ने मैडीकल और स्वास्थ्य माहिरों को कहा कि सख्त शर्तें लागू करें और दिल्ली से आने वालों के लिए लाजिमी टैस्ट सर्टिफिकेट को अमल में लाया जाये जहाँ कि बहुत चिंताजनक स्थिति बनी हुई है। डी.जी.पी. ने मीटिंग में बताया कि राष्ट्रीय राजधानी से पंजाब में रोजाना औसतन 500 से 800 वाहन आते हैं।

राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क जारी

ओवरऑल रैंकिंग में आईआईटी मद्रास पहले स्थान पर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास को इस साल ओवरऑल रैंकिंग में पहले स्थान पर, दूसरे स्थान पर भारतीय विज्ञान अनुसंधान संस्थान बेंगलुरु तथा तीसरे स्थान पर आईआईटी दिल्ली को घोषित किया गया है।

मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने गुरुवार को लगातार पांचवें साल राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थान फ्रेमवर्क की सूची जारी की। इसमें देश के 5800 संस्थानों ने भाग लिया। डॉ. निशंक ने कहा कि इस रैंकिंग के 100 श्रेष्ठ संस्थान ऑनलाइन मोड में आ जाएंगे। उन्होंने बताया कि देश में सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में भारतीय वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान बेंगलुरु को पहला, जबकि दूसरे स्थान पर जेएनयू तथा तीसरे स्थान पर बनारस हिंदू विश्विद्यालय घोषित किया गया है। कॉलेजों की श्रेणी में मिरांडा कॉलेज पहले स्थान पर, दूसरे स्थान पर लेडी श्रीराम कॉलेज और तीसरे स्थान पर हिंदू कॉलेज है।

डॉ. निशंक ने बताया कि इंजीनियर श्रेणी में आईआईटी मद्रास पहले स्थान पर, आईआईटी दिल्ली दूसरे स्थान पर और आईआईटी मुंबई तीसरे स्थान पर हैं जबकि प्रबंधन के क्षेत्र में भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद पहले स्थान पर, भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु दूसरे स्थान पर और भारतीय प्रबंधन संस्थान कोलकाता तीसरे स्थान पर है। मेडिकल क्षेत्र में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पहले स्थान पर, पीजीआई चंडीगढ़ दूसरे स्थान पर तथा क्रिश्चियन कॉलेज ,बेलूर तीसरे स्थान पर है।

उन्होंने बताया कि विधि संस्थानों में राष्ट्रीय विधि कालेज बेंगलुरु पहले स्थान पर, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय दिल्ली दूसरे स्थान पर तथा तीसरे स्थान पर नलसर

यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ हैदराबाद को घोषित किया गया है। इसी तरह फार्मेसी श्रेणी में जामिया हमदर्द दिल्ली को पहले स्थान पर, पंजाब विश्वविद्यालय को दूसरे स्थान पर तथा नेशनल फार्मास्यूटिकल्स रिसर्च संस्थान मोहाली को तीसरे स्थान पर घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि वास्तुशिल्प श्रेणी में आईआईटी खड़गपुर, दूसरे स्थान पर आईआईटी रूड़की और तीसरे स्थान पर राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान कालीकट है। इस साल दंत चिकित्सा संस्थान श्रेणी को भी शामिल किया गया है। इसमें पहले स्थान पर मौलाना आजाद डेंटल कालेज दिल्ली, दूसरे स्थान पर मणिपाल डेंटल कालेज उडुपी तथा तीसरे स्थान पर डॉ. वाईपी पाटिल कालेज है।

आयोग ने युवक के पुलिस अभिरक्षा में गोली मारने मामले में लिया संज्ञान

भोपाल, (एजेंसी)। मप्र मानव अधिकार आयोग ने जबलपुर में तीन हजार रुपए के इनामी आरोपी के पुलिस अभिरक्षा में खुद को गोली मारने मामले में संज्ञान लिया है। आयोग की गुरुवार को यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस मामले में आयोग के सदस्य सरबजीत सिंह ने पुलिस अधीक्षक, जबलपुर से प्रतिवेदन मांगा है। जबलपुर के हनुमानताल पुलिस ने एक नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ के मामले में शुभम बैरागी (25) के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किया था। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर तीन हजार रूपये का इनाम घोषित कर रखा था। साइबर टीम ने दबिश देकर युवक को गिरफ्तार किया था। फरार युवक हथियार तस्करी में भी लिप्त था। टीम ने गिरफ्तारी के बाद युवक से पूछताछ की तो उसने बताया कि हथियार सिविल लाइन स्थित एक खंडहरनुमा मकान में छुपाकर रखें हुए है। साइबर टीम आरोपी युवक को लेकर सिविल लाइन थाना पहुंची। इसी दौरान युवक ने छुपाकर रखी हुई पिस्टल से अपने सिर पर गोली मार ली, जिसे गंभीर अवस्था में उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां उसकी मौत हो गई।

पुणे में 50 करोड़ रुपए के नकली नोट बरामद

सेना का जवान है इस पूरे गैंग का मास्टरमाइंड

पुणे, (एजेंसी)। यहां क्राइम ब्रांच ने बुधवार को करीब 50 करोड़ रुपए मूल्य की नकली नोट जब्त किए। इनमें भारत और अमेरिका समेत कई देशों की करंसी शामिल है। हालांकि, इनमें से ज्यादातर पर 'चिल्ड्रन बैंक ऑफ इंडिया' छपा है।

इसमें भारत और अमेरिका समेत कई देशों की करंसी शामिल

इस मामले में सेना के एक जवान समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। क्राइम ब्रांच को शक है कि ये नोट ठगी के इरादे से छापे गए थे। फिलहाल, हर एंगल से जांच की जा रही है। आरोपियों में सेना का जवान भी है, इसलिए आर्मी इंटेलिजेंस भी पड़ताल में जुटी है। पुणे के डीसीपी क्राइम ब्रांच बच्चन सिंह ने कहा, कि दो दिन पहले हमें मिलिट्री इंटेलिजेंस से नकली करंसी गैंग के बारे में सूचना मिली थी। इसके बाद संयुक्त ऑपरेशन चलाकर हमने दह लोगों को शहर के विमाननगर इलाके के एक फ्लैट से गिरफ्तार किया। सेना का जवान इस पूरे गैंग का मास्टरमाइंड है। जब्त नकली नोटों में भारतीय करंसी 43 करोड़ 40 लाख रु.की है।

रैकेट का लिंक तलाशने की कोशिश जारी

डीसीपी ने बताया कि जब्त की गई नकली करंसी में भारतीय नोटों का मूल्य 43.4 करोड़ रुपए और अमेरिकी डॉलर का मूल्य 4.2 करोड़ रुपए है। ज्यादातर भारतीय नोटों पर 'चिल्ड्रन बैंक ऑफ इंडिया' छपा हुआ है। पता लगाया जा रहा है कि इस रैकेट का लिंक कहां से जुड़ा है? इतनी बड़ी संख्या में नोट कहां प्रिंट किए गए? इसके पीछे मकसद क्या है? नकली नोटों के साथ एक बंदूक भी बरामद हुई है।

छह लोगों को किया गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच ने बताया कि जिन छह लोगों को गिरफ्तार किया गया उनके नाम शेख अलीम (36), सुनील सारडा (40), अब्दुल गनी (43), अब्दुलगानी खान (18), रितेश रत्नाकर (34) और तुफेल अहमद (28) हैं। शेख अलीम खान खड़की में बॉम्बे सैपर्स बटालियन में नायक के पद पर कार्यरत है।

पठानकोट से दो आतंकी पकड़े, हथियार जब्त

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब पुलिस ने गुरुवार को पठानकोट से जम्मू कश्मीर के दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार कर घाटी में हथियारों की तस्करी की साजिश को बेनकाब करने का दावा किया।

पुलिस के अनुसार लश्कर-ए-तैयबा के संदिग्ध सदस्य आमिर हुसैन वाणी (26) और वसीम हसन वाणी (27) के पास से दस हथगोले, एक एके-47 राईफल, दो मैगजीन व 60 कारतूस भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार यह दोनों पंजाब से कश्मीर घाटी में हथियारों की तस्करी करने के प्रयास में अमृतसर-जम्मू हाइवे पर एक नाके पर एक ट्रक रोकने पर पकड़े गए। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने बताया है कि उन्हें जम्मू कश्मीर पुलिस में कांस्टेबल रह चुके इश्फाक अहमद दार उर्फ बशीर अहमद खान से यह निर्देश मिला था कि पंजाब से हथियार लेकर घाटी पहुंचाने हैं। दार लश्कर-ए-तैयबा का सक्रिय सदस्य है और 2017 में फरार हो गया था। दोनों ने बताया कि हथियार उन्होंने अमृतसर के मकबूलपुरा-वल्लाह मार्ग से दो अज्ञात लोगों से आज तड़के ही लिये थे और उस ट्रक में छिपाया जो दिखावे के लिए वह अमृतसर की मंडी से सब्जियां व फल खरीदने के लिए लाये थे। पुलिस ने बताया कि आमिर हुसैन वाणी ने स्वीकार किया है कि इससे पूर्व वह पंजाब से 20 लाख रुपए की हवाला रकम ले गया था तथा एक बार वह दो सशस्त्र आतंकियों को पंजाब से घाटी लेकर गया था।

जोनल पुलिस स्थापना बोर्ड का होगा गठन

भोपाल, (एजेंसी)। पुलिस स्थापना बोर्ड की बैठक में आरक्षक से उपनिरीक्षक स्तर के पुलिसकर्मियों के स्थानांतरण के संबंध में लिए गए निर्णय के अनुसार पूर्व में जारी परिपत्र को निरस्त कर जोनल पुलिस स्थापना बोर्ड का गठन किया जाएगा। पुलिस के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार पुलिस महानिदेशक विवेक जौहरी ने समस्त जोनल पुलिस महानिरीक्षक, रेंज पुलिस उप महानिरीक्षक तथा पुलिस अधीक्षक (रेल सहित) को इस संबंध में पत्र जारी किया है।

जोनल पुलिस स्थापना बोर्ड में अध्यक्ष अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक/ पुलिस महानिरीक्षक जोन तथा दो सदस्य क्रमशः पुलिस उप महानिरीक्षक रेंज तथा जोन के संबंधित पुलिस अधीक्षक रहेंगे। जिला पुलिस बल के आरक्षक से उपनिरीक्षक स्तर के अधिकारियों व कर्मचारियों के जोन अंतर्गत एक इकाई से दूसरी इकाई में स्थानांतरण संबंधी आवेदन/प्रस्ताव जोनल पुलिस स्थापना बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। जोनल पुलिस स्थापना बोर्ड द्वारा अनुमोदित स्थानांतरण आदेश जोनल पुलिस महानिरीक्षक द्वारा जारी किए जाएंगे। जिला पुलिस बल के निरीक्षक श्रेणी के अधिकारियों के जोन अन्तर्गत एक इकाई से दूसरी इकाई में स्थानांतरण प्रशासन शाखा पुलिस मुख्यालय के अनुमोदन उपरांत किए जाएंगे। आरक्षक से निरीक्षक श्रेणी के अधिकारियों के स्थानांतरण जोन के बाहर किसी अन्य इकाई या गैर जिला बल इकाई करने संबंधी आवेदन/प्रस्ताव इकाई/जोन स्तर से प्रशासन शाखा, पुलिस मुख्यालय, भोपाल को अभिमत सहित अग्रिम कार्यवाही के लिए भेजे जाएंगे।

दवस्थानम बोर्ड ने जारी की नई गाइडलाइन, 30 तक स्थानीय लोगों को ही यात्रा की अनुमति

इस बार बदली-बदली नजर आएगी केदारनाथ यात्रा

देहरादून, (एजेंसी)। लॉकडाउन के 5वें चरण में देश धीरे धीरे अनलॉक हो रहा है और अब विश्वप्रसिद्ध केदारनाथ धाम की यात्रा को सुचारू रूप से खोलने की कवायद भी तेज हो गई है। पहली बार अस्तित्व में आया देवस्थानम बोर्ड ने केदारनाथ यात्रा को लेकर गाइड लाइन तैयार की है।

देवस्थानम बोर्ड ने हालांकि केदारनाथ यात्रा के लिए जो नई गाइड लाइन जारी की है उसके तहत केदारनाथ की पूरी यात्रा इस बार बदली बदली नजर आएगी। तीस जून तक केवल रूद्रप्रयाग जनपद के 800 को ही केदारनाथ धाम जाने की अनुमति मिलेगी। जबकि इस बार किसी भी श्रद्धालु को मंदिर के गर्भगृह में जाने की अनुमति नहीं मिलेगी। केदारनाथ यात्रा पर जाने वाले हर व्यक्ति को उपजिलाधिकारी उखीमठ से पास बनाना अनिवार्य

होगा। हर श्रद्धालु का डाटा जिला प्रशासन के साथ ही स्वास्थ्य विभाग के पास उपलब्ध रहेगा ताकि कोरोना संक्रमण के किसी भी खतरे के दौरान संबंधित व्यक्ति का आसानी से पता लगया जा सकता है।

10 से कम और 60 साल से अधिक आयु के लोग नहीं कर सकेंगे यात्रा

इस बार 10 वर्ष से कम व 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोग केदारनाथ यात्रा नहीं कर सकेंगे। जबकि बीमार गर्भवती महिलाएं एवं अन्य प्रदेशों से क्वारंटाइन हुए लोगों के लिए भी यात्रा प्रतिबंधित है। उधर केदारनाथ के तीर्थ पुरोहित यात्रा खोलने के बिल्कुल भी हक में नहीं है। उन्होंने पहले ही केदारनाथ की यात्रा को प्रतिबंधित रखने की सलाह दी है। केदारनाथ के विधायक मनोज रावत ने कहा कि कोरोना संक्रमण काल में अगर किसी भी तरह की कोई घटना घटती है तो उसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। सूत्रों का कहना है कि अब पहले की तरह यात्रा बिल्कुल भी नहीं रही है। कोरोना वायरस ने धार्मिक स्थलों पर होने वाली यात्रा का स्वरूप भी पूरी तरह से बदल दिया है। भक्त और भगवान के बीच भी सामाजिक दूरी बढ़ा दी है। इसका उदारण आगामी दिनों होने वाली केदारनाथ यात्रा से उस वक्त पता चलेगा जब श्रद्धालु केदारनाथ धाम तो पहुंचेगा मगर मंदिर के अंदर गर्भगृह में भगवान के दर्शन नहीं कर पाएगा।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)

Editor: ATUL SHARMA*

*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.